PERIODIC ASSIGNMENT -2021-22	
कक्षा – 5	विषय हिंदी -
Syllabus – CH-1,2	FROM TEXTBOOK

[READINGSECTION]पठन

Q .निम्नलिखित गंघाश के प्रश्नोके उत्तर लिखो।

1. बढ़ती जनसंख्या ने अनेक प्रकार की समस्याओं को जन्म दिया हैरोटी–, कपड़ा, मकान की कमी, बेरोजगारी, निरक्षता, कृषि एवं उद्योगों के उत्पादनों में कमी आदि। हम जितनी अधिक उन्नति करते हैं या विकास करते हैं, जनसंख्या उसके अनुपात में बढ़ जाती है। बढ़ती जनसंख्या के समक्ष हमारा विकास बहुत कम रह जाता है और विकास कार्य दिखाई नहीं देते। बढ़ती जनसंख्या के समक्ष सभी सरकारी प्रयास असफल दिखाई देते हैं। कृषि उत्पादन और औद्योगिक विकास बढ़ती जनसंख्या के सामने नगण्य सिद्ध हो रहे हैं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए जनसंख्या वृद्धि पर नियत्रंण की अति आवश्यकता है। इसके बिना विकास के लिए किए गए सभी प्रकार के प्रयत्न अधूरे रह जाएँगे।

(कबढ़ती जनसंख्या से किसमें कमी आई है (?
(i) बेरोजगारी
(ii) गरीबी
(iii) निरक्षरता
(iv) कृषि एवं उद्योगों के उत्पादनों में

(ख (जनसंख्या बढ़ने से किन चीजों में बढ़ोत्तरी हुई है?
(i) लोगों के कार्य करने की क्षमता में
(ii) शिक्षा में
(iii) गरीबी एवं बेरोजगारी में
(iv) लोगों के स्वास्थ्य में

(गहमारा विकास कार्य दिखाई नहीं देता (, क्योंकि
(i) विकास के अनुपात में जनसंख्या वृधि अधिक है।
(ii) जनसंख्या वृद्धि कम हैं।
(iii) उपर्युक्त दोनों ।
(iv) इनमें से कोई नहीं

2. संसार में सबसे मूल्यावान वस्तु समय है क्योंकि दुनिया की अधिकांश वस्तुओं को घटायाबढ़ाया जा – सकता है, पर समय का एक क्षण भी बढ़ा पाना व्यक्ति के बस में नहीं है। समय के बीत जाने पर व्यक्ति के पास पछतावे के अलावा कुछ नहीं होता। विद्यार्थी के लिए तो समय का और भी अधिक महत्त्व है। विद्यार्थी जीवन का उद्देश्य है शिक्षा प्राप्त करना। समय के उपयोग से ही शिक्षा प्राप्त की जा सकती है। जो विद्यार्थी अपना बहुमूल्य समय खेलकूद–, मौजमस्ती तथा आल–स्य में खो देते हैं वे जीवन भर पछताते रहते हैं, क्योंकि वे अच्छी शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं और जीवन में उन्नति नहीं कर पाते। मनुष्य का कर्तव्य है कि जो क्षण बीत गए हैं, उनकी चिंता करने के बजाय जो अब हमारे सामने हैं, उसका सदुपयोग करें।

(कसमय को सबसे अमूल्य वस्तु क्यों कहा गया है?
(i) इसका एकक्षण भी घटायाबढ़ाया नहीं जा सकता–
(ii) सम्य व्यक्ति के वश में नहीं है।

(iii) समय ही व्यक्ति के जीवन को बदल सकता है
(iv) मनुष्य उस समय की गति को नहीं रोक सकता
(खविद्यार्थी जीवन का उद्देश्य है?
(i) जीवन को सुखी बनाना
(ii) गुरुओं का आदेश मानना
(iii) व्यक्ति के जीवन में समय का महत्त्व
(iv) शिक्षा प्राप्त करना
(गविद्यार्थी जीवन भर क्यों पछताते रहते हैं?
(i) क्योंकि वे आलसी होते हैं
(ii) जो अपना कीमती समय मौज मस्ती और आलस्य में खो देते हैं।
(iii) जो ज्ञान प्राप्त नहीं करते।
(iv) जो विद्यार्थी मातापिता और गुरुओं की आज्ञा का पालन नहीं करते–
(घसंमय के संबंध में व्यक्ति का क्या कर्तव्य बताया गया है?
(i) परिश्रम करें
(ii) मन लगाकर पढ़ाई करें
(iii) बीते समय के बारे में पश्चाताप न करके वर्तमान समय का सदुपयोग करें
(iv) असफल होने पर निराश न हों, पुनः प्रयास करें
(ङउपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक सुझाइए ?
(i) समय का सदुपयोग
(ii) समय और मनुष्य
(iii) विद्यार्थी और समय
(iv) अमूल्य समय उत्तर
3. समय बहुत मूल्यावान होता है। यह बीत जाए तो लाखोंकरोड़ों रुपये खर्च करके भी इसे वापस नहीं लाया – जा सकता। इस संसार में जिसने भी समय की कद्र की है, उसने सुख के साथ जीवन गुजारा है और जिसने समय की बर्बादी की, वह खुद ही बर्बाद हो गया है। समय का मूल्य उस खिलाड़ी से पूछिए, जो सेकंड के सौवे हिस्से से पदक चूक गया हो। स्टेशन पर खड़ी रेलगाड़ी एक मिनट के विलंब से छूट जाती है। आजकल तो कई विद्यालयों में देरी से आने पर विद्यालय में प्रवेश भी नहीं करने दिया जाता। छात्रों को तो समय का मूल्य और भी अच्छी तरह समझ लेना चाहिए, क्योंकि इस जीवन की कद्र करके वे अपने जीवन के लक्ष्य को पा सकते हैं।
(कउपरोक्त गद्यांश में कीमती किसे माना गया है (?
(i) जीवन को
(ii) अनुशासन को
(iii) समय को
(iv) खेल को
(खकिसने सुख के साथ जीवन गुजारा (
(i) जिसने दुनिया में खूब धन कमाया
(ii) जिसने मीठी बाणी बोली
(iii) जिसने समय की कद्र की
(iv) जिसने समय को बर्बाद किया
(गसेकंड के सौवें हिस्से से पदक कौन चूक जाता है (
(i) खिलाड़ी जिसने मामूली अंतर से पदक गंवा दिया हो

(ii) वह यात्री जिसकी ट्रेन छूट गई
(iii) उपर्युक्त दोनों लोग
(iv) इनमें कोई नहीं
(घ छात्रों को (समय की कद्र करने से क्या लाभ होता है?
(i) वे स्वस्थ हो जाते हैं।
(ii) वे मेधावी बन जाते हैं।
(iii) वे सभी विषयों में 100% अंक प्राप्त करते हैं।
(iv) वे लोकप्रिय हो जाते हैं।
(ङ इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा (
(i) समय का मूल्य
(ii) जीवन का लक्ष्य
(iii) विद्यार्थी जीवन में समय का महत्त्व
(iv) अनुशासन

[WRITING SECTION] लेखन

Q .(A) निबंध लिखिए।

1. अनुशासन

अनुशासन ही सफलता की कुंजी है।हर किसी के जीवन में अनुशासन सबसे महत्वपूर्ण है। अनुशासन के बिना कोई सुखी जीवन नहीं जी सकता। अनुशासन वह सब कुछ है जो हम सही समय में सही तरीके से करते हैं। यह हमें सही रास्ते पर ले जाता है। जीवन के सभी कार्यों में अनुशासन अत्यधिक मूल्यवान है। हमें हर समय इसका पालन करना है चाहे वो स्कूल, घर, कार्यालय, संस्थान, फैक्टरी, खेल का मैदान, युद्ध का मैदान या दूसरी जगह हों।
ये खुशहाल और शांतिपूर्ण जीवन जीने की सबसे बड़ी जरुरत है। आज के आधुनिक समय में अनुशासन बहुत ही आवश्यक है क्योंकि इस व्यस्तता भरे समय में यदि हम अनुशासन भरे दिनचर्या का पालन ना करें तो हमारा जीवन अस्तव्यस्त हो जायेगा।–
अनुशासन दो शब्दों से मिलकर बना है अनु और शासन। – अनु का अर्थ है पालन और शासन का मतलब नियम। हमारे जीवन में अनुशासन का बहुत महत्व है यह हमें नियमों का पालन करना सिखाता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, जो कि समाज में रहता है और उसमें रहने के लिए अनुशासन की आवश्यकता होती है।अनुशासन हमारी सफलता की सीढ़ी है,
जिसके सहारे हम कोई भी मंजिल हासिल कर सकते है। अनुशासन दो प्रकार का होता है एक वो जो हमें बाहरी – समाज से मिलता है और दूसरा वो जो हमारे अंदर खुद से उत्पन्न होता है। हालाँकि कई बार, हमें किसी प्रभावशाली व्यक्ति से अपने स्वअनुशासन की आदतों में सुधार करने के लिये प्रेरणा की जरुरत होती है।–
अनुशासन का महत्त्व समझने के बाद हमें चाहिए कि हम हमेशा अनुशासन में रहें और अपने जीवन में सफल होने के लिए अपने मातासुबह बिस्तर से –पिता और शिक्षकों के आदेश का पालन करें। हमें सुबह– उठना चाहिए और एक गिलास पानी पीना चाहिए और खुद को तरोताजा रखना चाहिए।

दांतों को रोजाना ब्रश करना चाहिए, स्नान करना चाहिए और फिर स्वस्थ नाश्ता करना चाहिए। बिना भोजन ग्रहण किए हमें कभी भी न तो स्कूल जाना चाहिए और न ही किसी अन्य काम में। हमें अपने प्रत्येक कार्य को सही समय पर साफ और स्वच्छ तरीके से करना चाहिए।
अपने जीवन को अनुशासित बनाए रखने के लिए हमें हर सम्भव प्रयास करना चाहिए। क्योंकि अनुशासन ही सफल जीवन की पहली सीड़ी मानी जाती है। हम अपने जीवन में अनुशासन को अपनाने के लिए निम्नलिखित तरीकों का पालन कर सकते हैं –
1 - एक संतुलित और नियमित दिनचर्या का पालन करना।
2 - कार्यों को समय पर पूरा करने का हरसंभव प्रयास करना।
3 - व्यर्थ के कार्यों से दूर रहना।
4 - बुरी आदतों और कार्यों से दूरी बनाना।
5 - अपने कार्यों के प्रति पूरी लगन रखना।

(B)**निबंध लिखिए।**

2.तोता

तोता एक शाकाहारी पक्षी है और यह अपने खाने में सब्जियां और फल ज्यादा खाना पसंद करते हैं। तोते झुण्ड में रहना ज्यादा पसंद करते हैं, इसी कारण जब भी तोते अपने भोजन की तलाश करने जाते हैं तो झुण्ड में जाते हैं। तोता अपने भोजन की तलाश में 1000 किलोमीटर से ज्यादा की उड़ान भर सकता है।
तोता पक्षी समझदार और बुद्धिमान बहुत होता है। यदि तोते को इंसानों के बीच में एक महीने के लिए रख दिया जाए तो यह इंसानों की नकल करने लगता है और इंसानों की तरह कुछ कुछ शब्द बोलने भी लगता है। तोता कोई भी भाषा आसानी से सिख लेता है और इसकी आवाज एक किलोमीटर तक सुनी जा सकती है। तोते को भारत में ज्यादातर लोग पिंजरे में बंद करके घर में रखते हैं और इसको राम राम जैसे शब्द सिखाये जाते हैं। यह शब्द तोता घर में आये मेहमानों के स्वागत के लिए प्रयोग करता है।
तोते के घोंसले को हिंदी में "कोटर" कहा जाता है। इसे तोता पेड़ के तने को गोल आकार में काटकर बनाता है। तोते की विश्व में कई प्रजातियां खोजी जा चुकी हैं। इसकी संख्या 350 से भी अधिक है। तोता गांव, शहर, खतों और जंगलो में हर जगह पर पाया जाता है।
तोते की लम्बाई सामान्यतया 10 से 12 इंच होती है और इसके गले के चारों ओर एक काले रंग की रिंग होती है, जिसे हिंदी में तोते की कंठी कहा जाता है। इसका सर इसके शरीर के मुकाबले छोटा होता है और इसकी आँखों का रंग काला और आँखें चमकीली होती है। इसके साथ ही तोते की आँखों के चारों और भूरे रंग की रिंग होती है, जो तोते की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती है।

2.**पत्र लेखन**

औपचारिक पत्र :वन अधिकारी को अपने क्षेत्र मे वृक्षारोपण का सुझावदेते हुए पत्र लिखिए।

ई-२३२,राजापुरी उत्तमनगर

गाँधीनगर

दिनाकः २३ / ५ /२१

सेवा मे,

निदेशकमहोदय

वनविभाग

गाँधीनगर सरकार, गाँधीनगर ।

विषय : वृक्षारोपण हेतुसुझाव

महोदय,

मै द्वारका सेक्टर १२ का निवासीहूँ। हमारे क्षेत्र मे कई ऐसे स्थान है,जोखालीपड़े है।खालीजगहसमझकर लोग उन स्थानो पर कूड़ा -कचराफेककरगंदगीफैलारहेहै।उन जगहो पर गैरकानूनी गतिविधियो के लिए पयोगकररहेहै।यहाँकेनिवासियो का जीनामुश्किल हो गयाहै।

हम सबनिवासियो का यहसुझावहैकियदी हम औरआपमिलकर इन स्थानो पर वृक्षारोपण करदे तो ये स्थान भर जाएँगेऔरवातावरण भी प्रदुषित नही होगा।स्वच्छता औरहरियालीकेकारण चहल-पहलरहने से असामाजिकतत्वभीगलतकार्यनहीकर पाएँगे।लोगशुद्र हवा व स्वचछ वातावरण मे साँस ले सकेगे।कृपया इस सुझाव को निवेदनमानकर शीघ्र हीदिशा मे कदम उठाएँ।

धन्यवाद

अपना नाम

[GRAMMAR SECTION]व्याकरण

Q.1निम्नलिखितवाक्यों नें संज्ञाऔर उनके प्रकार लिखिए।

- वह कल रात को आया था। जातिवाचकसंज्ञा
- हिरन इधर-उधर दौड़ रह थे। जातिवाचकसंज्ञा
- हिमालयपर्वतबहुत ऊचाँहै। व्यक्तिवाचक संज्ञा
- आज बहुत गरमीहै। भाववाचकसंज्ञा
- हम लोग अमेरिका मे रहतहै। व्यक्तिवाचकसंज्ञा
- सेनाआगेबढ़रहीहै। जातिवाचक संज्ञा
- लक्ष्मीबाई कीवीरताजगत प्रसिसद्ध है। भाववाचक संज्ञा
- बीरबलकीचतुराईदेखकरअकबर बहुत प्रसन्न हुए। भाववाचक संज्ञा
- सोने कीशुद्रताकीपरखजौहरीहीकरसकताहै। भाववाचकसंज्ञा
- मुझे बहुत भूखलगीहै। भाववाचकसंज्ञा

Q.2निम्नलिखितवाक्यों मे सर्वनामऔर उनके प्रकार लिखिए।

- लगताहै,माँबाजार से कुछ लाई है।अनिश्चयवाचकसर्वनाम
- उठो बेटा !जोसोताहै , वहखोताहै।अनिश्चयवाचकसर्वनाम
- वहाँकौनखड़ा है? प्रश्नवाचकसर्वनाम
- गिलासकिसनेतोड़ा? प्रश्नवाचकसर्वनाम
- बेटा, तुम रहनेदो,मैस्वय करलूँगा। निजवाचकसर्वनाम
- माँ, मैंअपने-आपचलीजाउगी। निजवाचकसर्वनाम

- जिसनेनीलीकमीजपहनीहै, उसकानाम कनिष्क है। संबंधवाचक सर्वनाम
- बारिश मे हमारीपुस्तकें भीगगई। पुरुषवाचक सर्वनाम
- तुम इधर बैठो। पुरुषवाचक सर्वनाम
- आरती को तुमसे कुछ कामहै। पुरुषवाचक सर्वनाम
- वह कल नहीखेला। पुरुषवाचक सर्वनाम

Q.3निम्नलिखित शब्दोकेपयार्यवाचीशब्द लिखिए।

- बादल – मेघ, घन
- घोड़ा –अश्व, तुरंग
- पक्षी – खग, विहग
- घर –मकान, गृह
- हाथी – गज, कुंजर
- रात – रात्री, निशा
- ईश्वर – प्रभु, भगवान
- समुद्र – सागर, सिंधु
- पहाड़ – पर्वत, गिरि
- चंद्रमा – चंद्र, शशि

Q.4निम्नलिखित शब्दोकेविलोमशब्द लिखिए।

- गुरु x शिष्य
- देव x दानव
- ऊँच x नीच
- सजीव xनिर्जीव
- अपना xपराया
- हानिxलाभ
- आदि xअंत
- उदय x अस्त
- अमृत x विश
- आकाश xपाताल

[LITERATURESECTION]पाठ्य पुस्तक / साहित्य

Q1.निम्नलिखितशब्दोके अर्थ लिखिए।

- **हाजिरजवाबी -तपाक से जवाब देना**
- **मशहूर–प्रसिद्-**

- **चैन–शांति से-**
- **रवाना किया–भेजा-**
- **आपबीती–अपने ऊपर घटित**
- **यकीन–विश्वास-**
- **मंजूर –स्वीकार-**
- **चकित – गएहैरान हुए-**
- **मुश्किल–कठिन-**
- **जौ–गेहूँकीतरह का एक खाद्य पदार्थ**
- **हल–समस्या**
- **प्रस्ताव–सुझाव, पेशकश**
- **सम्मुख–सामने**
- **बोरसी : मिटटी से निर्मित एक प्रकार का बर्तन**
- **घुघुतिया :कुमाऊ का त्योहार**
- **अंदाज :तरीका**
- **चपाँकल :नल**
- **इकटठे–समूह**
- **कतार : लाईन**
- **सूर्य :सूरज, रवि**
- **प्रांत :देश**
- **त्यौहार :पर्व**
- **कतार : लाइन**

Q2.निम्नलिखितप्रश्नों केवैकलिपक प्रश्नके उत्तर लिखिए।

१ :किस स्थान का तिलकुट प्रसिद्र है?

उत्तर : (क)मनेर का (ख)बडहिया का

(ग)गया का (घ) सिलाव का

२ :देशभर मे फसलो से जुडेत्योहार मनाए जातेहै?

उत्तर :(क)फरवरीऔरमार्च(ख)**जनवरीऔर अप्रेल**

(ग) नवंबर और दिसंबर (घ) जुलाई और सितंबर

३ :सरहुल का जश्नकितनेदिनों तकचलतारहताहै?

उत्तर :(क) दो दिनोतक(ख)तीनदिनोतक

(ग) पाँच दिनोतक(घ) चार दिनोतक

४ : पोंगल बनातेसमय मटके के मुँह के ऊपर क्या बाधाँजाताहै?

उत्तर :(क)साबुतहल्दी(ख)साबुतअदरक

(ग)गेहूँकीबलियाँ (घ) इनमे से कोई नही

५ :किस स्थान का तिलकुट प्रसिद्र है?

उत्तर : (क)मनेर का (ख)बडहिया का

(ग)गया का (घ) सिलाव का

६ :देशभर मे फसलो से जुडेत्योहार मनाए जातेहै?

उत्तर :(क)फरवरीऔरमार्च(ख)जनवरीऔर अप्रेल

(ग) नवंबर और दिसंबर (घ) जुलाई और सितंबर

७ :सरहुल का जश्नकितनेदिनों तकचलतारहताहै?

उत्तर :(क) दो दिनोतक(ख)तीनदिनोतक

(ग) पाँच दिनोतक(घ) चार दिनोतक

८ : पोंगल बनातेसमय मटके के मुँह के ऊपर क्या बाधाँजाताहै?

उत्तर :(क)साबुतहल्दी(ख)साबुतअदरक

(ग)गेहूँकीबलियाँ (घ) इनमे से कोई नही

Q 3निम्नलिखितसही कथन पर सहीऔरगलत पर गलत का निशान लगाए।

१:लोनपो का पुत्र नदी तट पर बैठकरसमस्या पर विचारकररहा था।

(गलत)

२: लोनपो का पुत्र दोबारा अनय भेडो को लेकरशहरगया था।

(गलत)

३:लोनपोके पुत्र औरलडकीकीदुसरीभेड़ सडककेकिनारे हुई थी। (सही)

४:लडकी ने लोनपो को राखकीरस्सीपहननेके लिए कहा था।

(सही)

५:लडकीकीशादीसौनगसैरके पुत्र से हो गई।

(गलत)

६ :जनवरीकेमध्य मे भारत केलगभगसभी प्रातो मे फसल स जुडेत्योहार मनाए जातेहै। (सही)

७ :सरहुलकेअवसर पर कानो मे सरई का फूलपहनाजाताहै। (सही)

८ :पोगलबनानेके लिए मटके को छाँह मे रखाजाताहै।

(गलत)

९ :गुजरात मे मकर-संक्राति केदिनपंतगो से चाँद ढ़क-साजाताहै।

(गलत)

१० :मकर-संक्राति केदिनपानी मे तिलडालकरस्नानकियाजाताहै। (सही)

Q4.निम्नलिखितरिक्त स्थानों कीपूर्ति कीजिए।

१:लोनपो का पुत्र बहुत सीधा-सादा था।

२:लोनपोके पुत्र के पास सौ बोरे जौखरीदनेके लिए रुपयेनही थे।

३:लडकी ने भेडोकेबाल उतारे।

४:लोनपो ने सोचा ऐसी रस्सीबनानाहीअसंभवहै।

५ :गुरुजी, विमलादिद्म, आंनदजी व झिलमिलभैयाईटँकेचुल्हे पर खिचडीबनातेहै।

६ :आदिवासीआमतौर पर प्रकृतिकीपूजाकरतेहै।

७ :पोगल मे नए धान को कूटकर चावलनिकालाजाताहै।

८ :गुजरात मे पंतगोकेबिनामकर-संक्राति का जश्न अधूरा माना जाताहै।

९ : घुघुतिया (कुमाऊँ का त्योहार) मे बच्चे माला से पकवानतोडकरपक्षीयो को खिलातेहै।

Q 5. निम्नलिखित प्रश्नोके अतिलघु उत्तर लिखिए।

१:लोनपो ने सौजौकेबोरों को लेनेके लिए अपने बेटे को कहाँके लिए रवानाकिया?

उत्तर-लोनपो ने सौजौकेबोरों को लेनेके लिए अपने बेटे को शहरके लिए रवानाकिया।

२:लोनपोके पुत्र को किसेमारनेयाबेचनेकी आज्ञा नहीं थी?

उत्तर-लोनपोके पुत्र को भेडों को मारनेयाबेचनेकीआज्ञानहीं थी।

३:भेडों केबालबेचनाकिसेपसंदनहीं आया?

उत्तर-भेडों केबालबेचनालोनपो को पसंदनहीं आया।

४ :दादीकेबालकैसेलगरहे थे?

उत्तर : दादीकेबालसफ़ेद रुई जैसेलगरहे थे।

५ :तिलकुट किनचीज़ो से बनायाजाताहै?

उत्तर : तिलकुट गुड़ औरतिल से बनायाजाताहै।

६ :सरहुल में चंदे में कौन-कौनसीचीज़े माँगीजातीहैं?

उत्तर : सरहुल में चंदे में मुर्गा, चावलऔरमिश्री माँगीजातीहैं।

७ :पोंगल केदिन घरों में कौन-कौनसीफ़सलें काटकर लाई जातीहैं?

उत्तर : पोंगल केदिन घरों में खरीफ़ की फ़सलें, चावल, अरहरआदि काटकर लाई जातीहैं।

Q 6.निम्नलिखित प्रश्नोके लघु उत्तर लिखिए।

१:लोनपोकौन थे? वहक्यो प्रसिद्द थे?

उत्तर:लोनपोतिब्बतकेबत्तीसवें राजा सौनगवसेनगांपोके मंत्री थे।वे अपनीचालाकीऔरहाजिरजवा़बीके लिए दूर-दूरतकमशहूर थे।

२:लोनपोकिसकेकारण चिंतित थे औरक्यों?

उत्तर–:लोनपोअपने बेटे केकारण चिंतित थे क्योंकिवह बहुत भोला था।

३:दूसरी बार शहर जाने परलोनपोके पुत्र ने बैठने लिए पुरानीजगह को हीक्यों चुना?

उत्तरःक्योंकि उसे यकीन था किवहलड़की उसकीमददके लिए वहाँ जरुर आएगी।

४:पहली बार जौकेसौ बोरे लाए देखकरलोनपोगार ने क्या किया?

उत्तरःपहली बार जौकेसौ बोरे लाए देखकरलोनपोगारउठकरकमरे से बाहरचले गए।

५–खिचड़ी केत्योहारकेदिनकेलेकेपत्तों पर क्या–क्या रखागया था?

उत्तर–खिचड़ी कत्योहारकेदिनकेलेकेपत्तों पर तिल,गुड़,चावलरखागया था।

६–सरहुल का सालके वृक्ष से क्या संबंध है?

उत्तर–सरहुलकेदिन विशेष रुप से सालकेपेड़ कीपूजाकीजातीहै।यहीसमयहैजबसालकेपेड़ो में फूल आनेलगतेहैं औरमौसम बहुत हीखुशनुमा हो जाताहैं।**७३–पोंगल कैसेमनायाजाताहै?**

उत्तर–तमिलनाडु में मकर–संक्रांति याफ़सलों से जुड़ा त्यौहार "पोंगल"के रुप में मानयाजाताहै।हर घर में मिटटी का नया मटका लायाजाताहै।जिसमें नए चावल,दूध औरगुड़ डालकरउसे पकानेके लिए धूप में रखदेतेहै।जैसेही दूध में उफ़ानआताहै दूध–चावल मटके से बाहरगिरनेलगताहै तो "पोंगला–पोंगल,पोंगला– पोंगल"केस्वरसुनाई देतेह।

Q 7. निम्नलिखित प्रश्नोके दीर्घ उत्तर लिखिए।–

१:पहली बार शहरजाकरलोनपो का पुत्र क्यों दुखी था? तथा उसकीमददकिसनेकी?

उत्तरःलोनपो का बेटा शहरपहुँचा। मगरसौ बोरे जौखरीदनेके लिए उसके पास पैसेनहीं थे।कोई हल उसकी समझ में हीनहीं आ रहा था।वह बहुत दुखी था तथा उसकीमदद एक लड़की ने की।

२:लोनपोकिसकेकारण चिंतित थे औरक्यों?

उत्तरःलोनपोअपने बेटे केकारण चिंतित थे क्योंकिवह बहुत भोला था।

३:दूसरी बार शहर जाने परलोनपोके पुत्र ने बैठनेके लिए पुरानीजगह को हीक्यों चुना?

उत्तरःदूसरी बार शहर जाने परलोनपोके पुत्र ने बैठनेके लिए पुरानीजगह को हीचुनाक्योंकिउसे यकीन था कीवहलड़की उसकीमददके लिए जरुर आएगी।

४:पहलीबारजौकेसौ बोरे लाए देखकरलोनपोगार ने क्या किया?

उत्तरःपहली बार जौकेसौ बोरे लाए देखकरलोनपोगार उठकरकमरे से बाहरचले गए।

५–खेतीऔरफ़सलों से जुड़े कौन–कौन से त्योहारकिन–किन प्रांतों में मनाए जातेहैं?

उत्तर : केरल मे ओणम ,पंजाब मे लोहडी , तमिलनाडु मे पोंगल ,झारखंड मे सरहुल,गुजरात मे मकरसंक्रांति असम मे बिहु ,कुमाऊँ मे घुघुतियाऔरबिहार मे संक्रांतिके रुप मे मनायाजाताहै।

६–मकरसंक्रांतिकेदिनकिस प्रांत में पतंगों को सर्वाधिक महत्वदियाजाताहैऔरक्यों?

उत्तर : मकर संक्रांति केदिनगुजरात में पतंगो को सर्वाधिक महत्वदियाजाताहैं।प्रत्येकगुजरातीचाहेवहकिसीभी धर्म,जाति याआयु का हो,पतंग उड़ाताहै।हज़ारों– लाखोपतंगो से सूर्यभी ढक–साजाताहैं।